ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 02-09-2025

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-09-02 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-09-03	2025-09-04	2025-09-05	2025-09-06	2025-09-07
वर्षा (मिमी)	58.0	20.0	8.0	15.0	12.0
अधिकतम तापमान(से.)	22.0	23.0	26.0	28.0	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	17.0	18.0	22.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	92	82	85	88	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	60	60	60	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	7	5	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	110	100	140	140	120
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	6	6	6	6
चेतावनी	बहुत भारी बारिश; अत्यधिक भारी बारिश; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	भारी वर्षा; बहुत भारी बारिश; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

आगामी सप्ताह में 12-58 मिमी हल्की से भारी वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 22.0-28.0oC और 16.0-22.0oC के बीच रहने का अनुमान है। हवा पूर्व-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व-पूर्व, दक्षिण-पूर्व और पूर्व-दक्षिण दिशा से 5-8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है। 2 सितंबर को बहुत भारी से बेहद भारी वर्षा के साथ गरज/बिजली और अलग-अलग स्थानों पर तीव्र बारिश की संभावना के संबंध में रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि 3 सितंबर को भारी से बहुत भारी बारिश के साथ समान गरज और बिजली की स्थिति के संबंध में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 5 और 6 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर गरज/बिजली, आंधी आदि के साथ भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है तथा 4 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर आंधी/बिजली, तीव्र वर्षा आदि के संबंध में पीला अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारी से अत्यधिक भारी वर्षा, गरज/बिजली और तीव्र वर्षा की भविष्यवाणी की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

फसलों में जलभराव, सब्जी की फसलों की बुवाई पर प्रभाव, नियमित कृषि गतिविधियों में व्यवधान और रासायनिक छिड़काव जैसी समस्याएँ। खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें, बुवाई और छिड़काव का कार्य साफ मौसम में किया जाना चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

किसान और अन्य संबंधित समुदाय नियमित मौसम की जानकारी और वर्षा अलर्ट के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे अन्य ऐप भी क्रमशः मौसम संबंधी और बिजली संबंधी आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए उपलब्ध हैं। सभी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 29.08.2025 से 04.09.2025 के दौरान अत्यधिक वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, भारी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान में जीवाणु झुलसा रोग के लक्षण दिखाई देते हैं जैसे पत्तियों पर पानी से भरे धब्बे और उनका धीरे-धीरे बढ़कर लंबी धारियां बन जाना। ये धारियां धीरे-धीरे हल्के भूरे रंग की हो जाती हैं। इस रोग को खेत में फैलने से रोकने के लिए खेत में जलभराव की स्थिति न रखें। इसके साथ ही, नाइट्रोजन का प्रयोग फिलहाल बंद कर देना चाहिए और रोग के अत्यधिक होने पर, 15 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन + 500 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 1000 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव साफ मौसम में करना चाहिए क्योंकि अधिकांश दिनों में भारी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है जबकि तना छेदक के मामले में, क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 20 एससी150 मिली प्रति हेक्टेयर या फिप्रोनिल 5 एससी 1.0 लीटर या 600 ग्राम कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 50 डब्ल्यूपी को 500-600 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए पर छिड़काव साफ मौसम में करना चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में इसके प्रयोग से बचना चाहिए। जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी उपलब्ध कराए जाने चाहिए।
रागी	फसल की निगरानी करते रहें क्योंकि तना छेदक कीट फसल को नुकसान पहुँचाता है। इसकी रोकथाम के लिए, फिप्रोनिल 5 एस. सी. 1 लीटर या कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 50 डब्ल्यू. पी. 600 ग्राम या क्लोरपाइरीफॉस 20 ई. सी. 2.5 लीटर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रभावित क्षेत्र पर छिड़काव करना चाहिए। यह छिड़काव हल्की वर्षा की स्थिति में करें और तेज़ हवाओं में छिड़काव से बचें। जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी उपलब्ध कराए जाने चाहिए।
मक्का	फसल की उचित निगरानी करें और ब्लाइट (पीले या भूरे रंग के अंडे के आकार के धब्बे) दिखाई देने पर मैन्कोज़ेब या ज़िनेब 75 डब्लू पी 1.5-2.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर 750-800 लीटर पानी में घोलकर डालें। दूसरा छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल पर करें। यह छिड़काव हल्की वर्षा की स्थिति में करें और तेज़ हवाओं में करने से बचें। जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी उपलब्ध कराए जाने चाहिए।
सोयाबीन	फसल पर कीटों और बीमारियों की निगरानी रखें तथा कोई भी रासायनिक छिड़काव साफ मौसम में किया जाना चाहिए, जब तेज हवाएं न चल रही हों। जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
पालक	इस महीने में पालक की बुवाई की जा सकती है और यह तब किया जाना चाहिए जब मौसम साफ हो। जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी उपलब्ध कराए जाने चाहिए।
मिर्च	मिर्च की फसल की ऊपरी टहनियाँ सूखने पर और काली पड़ने पर, फसल को बचाने के लिए संक्रमित शाखाओं को तोड़कर हटा देना चाहिए। फसल को सड़ने से बचाने के लिए, हल्की वर्षा की स्थिति में

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	0.1% कार्बेन्डाजिम घोल का छिड़काव करें। भारी वर्षा और तेज़ हवाओं में इस छिड़काव से बचना चाहिए। जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी उपलब्ध कराए जाने चाहिए।
गोभी	इस महीने में फूलगोभी, पत्तागोभी और नोल-खोल की पछेती किस्मों की रोपाई की जा सकती है और यह तब किया जाना चाहिए जब पौधे 4-6 सप्ताह के हो जाएँ या उनमें 4-6 पत्ते आ जाएँ। रोपाई का कार्य हल्की वर्षा की स्थिति में किया जाना चाहिए और तेज़ हवाओं से नुकसान से बचने के लिए सुरक्षा जाल का उपयोग किया जाना चाहिए। खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।
मूली	इस महीने में मूली की यूरोपीय किस्में, गाजर की एशियाई और यूरोपीय किस्में, शलजम की किस्में और चुकंदर की किस्में बोई जा सकती हैं। बुवाई साफ़ मौसम में की जा सकती है और खेत में उचित जल निकासी की व्यवस्था होनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मादा बछड़ियों का दूध छह महीने के बाद ही छुड़ाना चाहिए, ताकि उनका शारीरिक विकास अच्छे से हो सके। भारी वर्षा की स्थिति में उन्हें उचित गर्मी और भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए तथा गौशाला में साफ-सफाई का ध्यान रखा जाना चाहिए।
भेंस	'फुटरोट' रोग से बचाव के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोकर रखना चाहिए। भारी वर्षा की स्थिति में, उचित गर्मी और भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए और शेड में साफ़-सफ़ाई बनाए रखी जानी चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

जलभराव और नियमित कृषि गतिविधियों पर प्रभाव।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

खेत के साथ-साथ बागवानी फसलों में उचित जल निकासी चैनल उपलब्ध कराए जाने चाहिए और नियमित कृषि गतिविधियां हल्की वर्षा की स्थिति में की जानी चाहिए तथा तेज हवाओं से बचा जाना चाहिए।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details